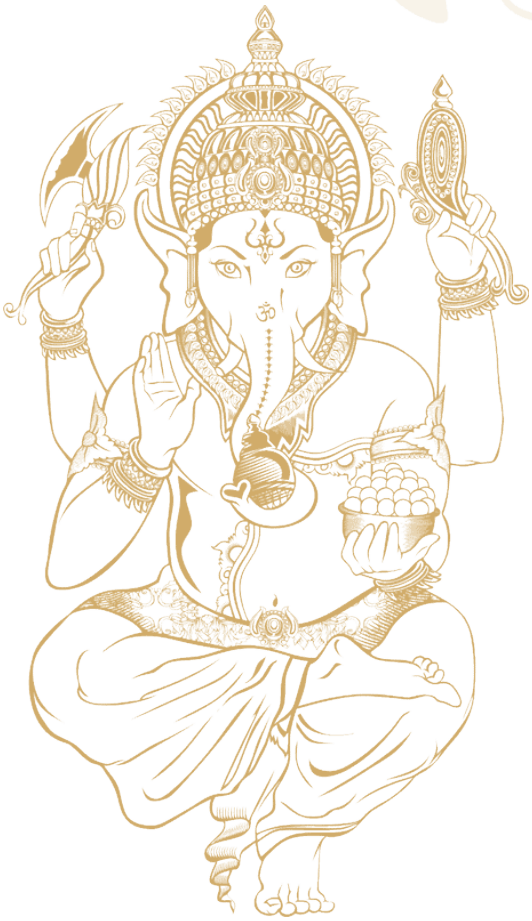

Ku.Neha. Ojha

Ch.Ankush. Ojha.

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119983301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119983301 Date: 03/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/10/2001	जन्म तिथि	18/08/1998
शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 16:10:00	जन्म समय	06:00:00 घंटे
घटी 24:38:17	जन्म समय(घटी)	00:22:24 घटी
India	देश	India
Gwalior	स्थान	Delhi
26:12:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:41	सूर्योदय	05:51:43
17:45:52	सूर्यास्त	18:57:49
23:52:37	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:09
मीन	लग्न	सिंह
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
वृश्चिक	राशि	मिथुन
मंगल	राशि-स्वामी	बुध
अनुराधा	नक्षत्र	आर्द्रा
शनि	नक्षत्र स्वामी	राहु
2	चरण	2
आयुष्मान	योग	वज्र
गर	करण	बालव
नी-नीरज	जन्म नामाक्षर	घ-घटी
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
विप्र	वर्ण	शूद्र
कीटक	वश्य	मानव
मृग	योनि	श्वान
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 13वर्ष 5मा 25दि		00:45:12	मीन	लग्न	सिंह	01:59:48	राहु 10वर्ष 7मा 17दि	
बुध		02:14:11	तुला	सूर्य	सिंह	01:02:56	शनि	
16/04/2015		07:12:05	वृश्चि	चंद्र	मिथु	12:07:27	05/04/2025	
15/04/2032		00:31:54	मक	मंगल	कर्क	04:22:04	05/04/2044	
बुध	11/09/2017	21:31:01	कन्या व	बुध व	कर्क	24:09:42	शनि	08/04/2028
केतु	08/09/2018	21:29:02	मिथु	गुरु व	मीन	02:42:20	बुध	17/12/2030
शुक्र	09/07/2021	11:01:59	कन्या	शुक्र	कर्क	11:49:34	केतु	26/01/2032
सूर्य	16/05/2022	20:38:20	वृष व	शनि व	मेष	09:47:17	शुक्र	28/03/2035
चन्द्र	15/10/2023	05:13:09	मिथु व	राहु व	सिंह	07:38:37	सूर्य	09/03/2036
मंगल	11/10/2024	05:13:09	धनु व	केतु व	कुंभ	07:38:37	चन्द्र	08/10/2037
राहु	01/05/2027	27:05:15	मक व	हर्ष व	मक	16:21:05	मंगल	17/11/2038
गुरु	06/08/2029	12:06:56	मक	नेप व	मक	06:16:49	राहु	23/09/2041
शनि	15/04/2032	19:30:56	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:27:40	गुरु	05/04/2044

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:52:37 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:09

लग्न-चलित

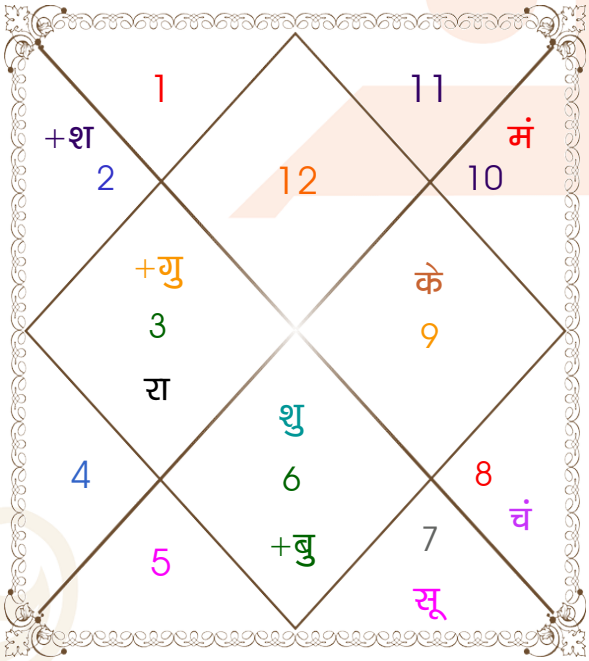

लग्न-चलित

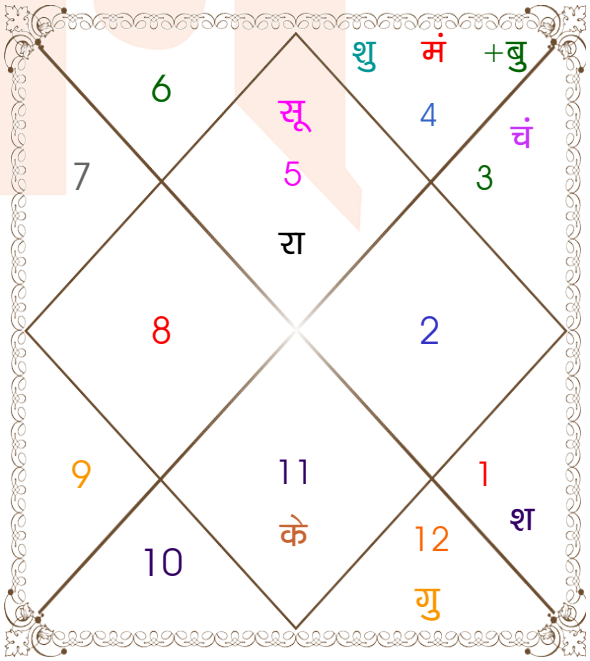

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	श्वान	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : **18 / 36**

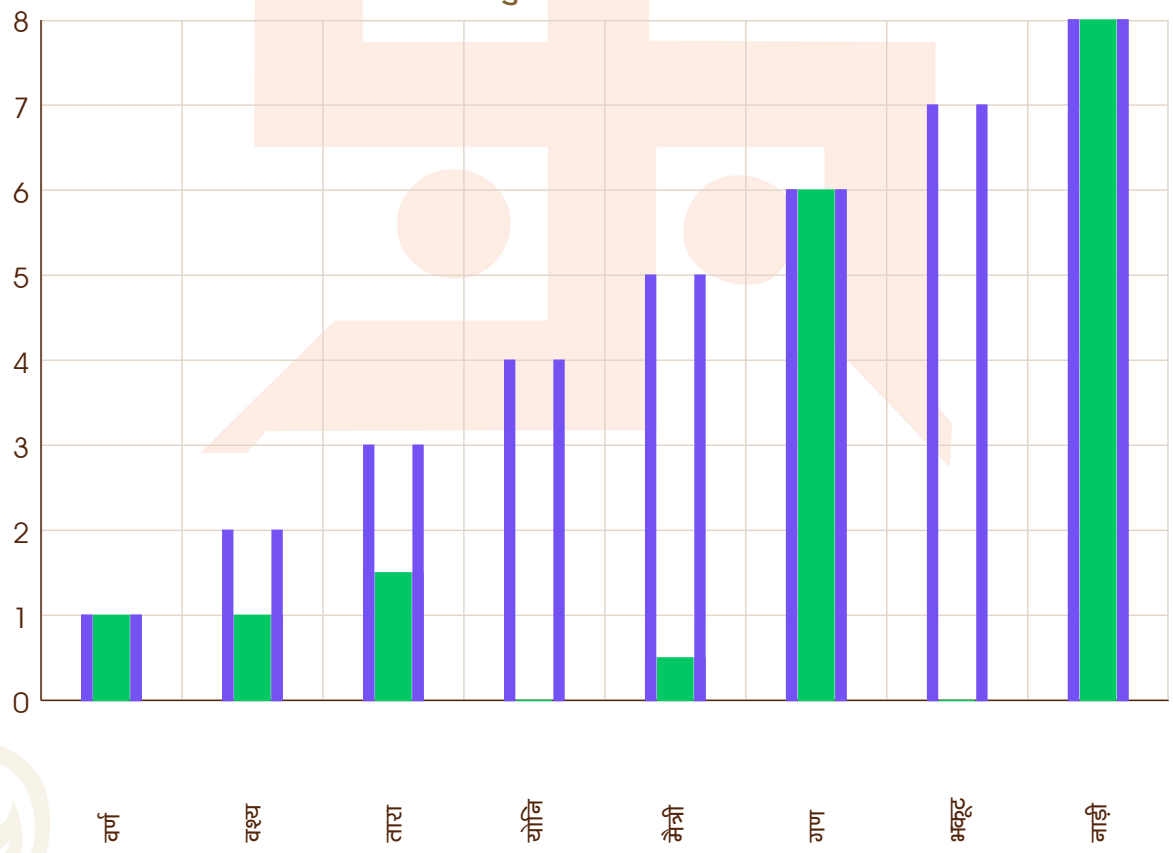

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Ku.Neha. Ojha का वर्ग सर्प है तथा Ch.Ankush. Ojha. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ku.Neha. Ojha और Ch.Ankush. Ojha. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Ku.Neha. Ojha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ch.Ankush. Ojha. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ch.Ankush. Ojha. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्थ्;थ्डत्मजतवह;0ब्द्धझ0ब्द्धझ क्योंकि मंगल Ch.Ankush. Ojha. कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ku.Neha. Ojha कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ku.Neha. Ojha तथा Ch.Ankush. Ojha. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Ku.Neha. Ojha का वर्ण ब्राह्मण तथा Ch.Ankush. Ojha. का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Ch.Ankush. Ojha. सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। Ch.Ankush. Ojha. एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

Ku.Neha. Ojha का वश्य कीट है एवं Ch.Ankush. Ojha. का वश्य द्विपद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। कीट Ku.Neha. Ojha एवं मनुष्य Ch.Ankush. Ojha. के विवाह को स्वीकार्यहै किंतु दोनों के बीच हितों का संघर्ष होता रहेगा एवं सहयोग एवं आपसी समझ की कमी बनी रहेगी। कभी कभी परस्पर शत्रुता की भावना भी विकसित हो सकती है। जो इनके दांपत्य जीवन को बाधित कर सकता है तथा विकास एवं समृद्धि को प्रभावित कर सकता है। Ku.Neha. Ojha एवं Ch.Ankush. Ojha. बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे तथा कटुता, संदेह एवं तनाव का माहौल बना रह सकता है।

तारा

Ku.Neha. Ojha की तारा विपत तथा Ch.Ankush. Ojha. की तारा मित्र है। Ku.Neha. Ojha की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Ku.Neha. Ojha एवं Ku.Neha. Ojha के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Ch.Ankush. Ojha. हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Ch.Ankush. Ojha. को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Ku.Neha. Ojha की योनि मृग है तथा Ch.Ankush. Ojha. की योनि श्वान है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा

घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Ku.Neha. Ojha का राशि स्वामी Ch.Ankush. Ojha. के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Ch.Ankush. Ojha. का राशि स्वामी Ku.Neha. Ojha के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Ku.Neha. Ojha का गण देव तथा Ch.Ankush. Ojha. का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ch.Ankush. Ojha. अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Ku.Neha. Ojha से Ch.Ankush. Ojha. की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Ch.Ankush. Ojha. से Ku.Neha. Ojha की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। Ku.Neha. Ojha एवं Ch.Ankush. Ojha. दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। Ku.Neha. Ojha शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Ch.Ankush. Ojha. बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

Ku.Neha. Ojha की नाड़ी मध्य है तथा Ch.Ankush. Ojha. की नाड़ी आद्य है। अर्थात

दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Ku.Neha. Ojha की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा Ch.Ankush. Ojha. की राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। जल एवं वायु में नैसर्गिक भिन्नता होने के कारण Ku.Neha. Ojha और Ch.Ankush. Ojha. में स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता नहीं होगी जिससे वैवाहिक जीवन सामान्य रहेगा। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

Ku.Neha. Ojha की राशि का स्वामी मंगल तथा Ch.Ankush. Ojha. की राशि का स्वामी बुध परस्पर सम तथा शत्रु हैं। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति अच्छी नहीं उत्पन्न होंगे। इसके प्रभाव से Ku.Neha. Ojha और Ch.Ankush. Ojha. के मध्य अनावश्यक विवाद तथा मतभेद रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति सदभावना के स्थान पर आलोचना तथा उपेक्षा का भाव रहेगा। ये दोनों एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे फलतः वैवाहिक जीवन में प्रेम का कम और विरोध का भाव अधिक रहेगा।

Ku.Neha. Ojha और Ch.Ankush. Ojha. की राशियां परस्पर अष्टम एवं षष्ठ भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना गया है। इसके प्रभाव से Ku.Neha. Ojha और Ch.Ankush. Ojha. में अनावश्यक वैमनस्य का भाव उत्पन्न होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे के प्रति कोई सहानुभूति नहीं होगी। साथ ही समय समय पर अनावश्यक विवाद होते रहेंगे। वैवाहिक जीवन के सुख की दृष्टि से यह स्थिति अच्छी नहीं होगी। अतः बुद्धिमता एवं संयम से ही शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है ।

Ku.Neha. Ojha का वश्य कीट तथा Ch.Ankush. Ojha. का वश्य मानव है। कीट एवं मानव की परस्पर विषमता तथा शत्रुता का भाव होने के कारण Ku.Neha. Ojha एवं Ch.Ankush. Ojha. की शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर असमानता रहेगी तथा दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Ku.Neha. Ojha का वर्ण ब्राह्मण तथा Ch.Ankush. Ojha. का वर्ण शूद्र है। अतः Ku.Neha. Ojha शैक्षणिक शास्त्रीय तथा धार्मिक कार्य कलापों में रूचि रखेंगे जबकि Ch.Ankush. Ojha. की प्रवृति धनार्जन के प्रति अधिक रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी।

धन

Ku.Neha. Ojha और Ch.Ankush. Ojha. की आर्थिक स्थिति पर तारा तथा भकूट का कोई भी शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में वे समर्थ होंगे तथा उनके लाभ मार्ग भी नित्य प्रशस्त रहेंगे। लेकिन Ch.Ankush. Ojha. पर मंगल का प्रभाव अच्छा नहीं रहेगा फलतः यदा कदा इनके द्वारा आर्थिक स्थिति में अल्प समय के लिए दम्पति को विषमता का आभास हो सकता है।

Ku.Neha. Ojha की प्रवृति भी अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा जुए या अन्य व्यसनों में वे अधिक व्यय करेंगे अतः यदि वे ऐसी प्रवृतियों की उपेक्षा करें तथा बुद्धिमतापूर्वक उपार्जित धन को व्यय करें तो उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना जीवन आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में समर्थ हो सकेंगे।

स्वास्थ्य

Ku.Neha. Ojha की नाड़ी मध्य तथा Ch.Ankush. Ojha. की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका कोई दुष्प्रभाव इन पर नहीं पड़ेगा परन्तु मंगल की स्थिति प्रतिकूल रहेगी जिसके प्रभाव से Ku.Neha. Ojha रक्त तथा पित विकार से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही हृदय रोग संबधी परेशानी भी होगी एवं रतिक्रिया संबंधी निष्क्रियता के भाव की भी उत्पत्ति की संभावना रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति की संभावना उत्पन्न होगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए Ku.Neha. Ojha को हनुमान जी की नियमित पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार का उपवास करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Ku.Neha. Ojha और Ch.Ankush. Ojha. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Ku.Neha. Ojha और Ch.Ankush. Ojha. के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ch.Ankush. Ojha. के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ch.Ankush. Ojha. को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ch.Ankush. Ojha. को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Ku.Neha. Ojha और Ch.Ankush. Ojha. सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Ku.Neha. Ojha और Ch.Ankush. Ojha. का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ch.Ankush. Ojha. के सास से संबधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही

रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबधों में मधुरता लाने के लिए Ch.Ankush. Ojha. को धैर्य तथा बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी Ch.Ankush. Ojha. को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी तथा उन्हें प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी Ch.Ankush. Ojha. के संबधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Ch.Ankush. Ojha. का ससुराल के लोगों से अच्छे संबध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

Ku.Neha. Ojha के अपनी सास से संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण इनमें विचार वैभिन्यता रहेगी लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा संबधों में वृद्धि के भी अवसर बनेंगे।

साथ ही ससुर से भी परस्पर संबधों में विवाद तथा तनाव युक्त वातावरण रहेगा जिससे न ही Ku.Neha. Ojha उनको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे तथा वे भी इन्हें विशेष अपनत्व तथा स्नेह का भाव अल्प ही प्रदान करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों से संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रहेगा। इनके संबधों में मित्रता का भाव भी रहेगा जिससे परस्पर मुक्त भाव से वार्तालाप होता रहेगा। इस प्रकार ससुराल वालों का दृष्टिकोण Ku.Neha. Ojha के प्रति अनुकूल रहेगा तथा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में नित्य प्रयत्नशील रहेंगे।